चित्र सीता स्वयंवर ६' x ८'

विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण मिथिला पहुँचे। सीता स्वयंवर आयोजित था। विशाल शिव-धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ानी थी। सभी राजे-महाराजे विफल हुए। राजा जनक चिंतित हुए। विश्वामित्र ने राम को इशारा किया। राम ने प्रत्यंचा चढ़ायी तो शिव-धनुष टूट गया। हर्षोल्हास के वातावरण में सीता ने राम को वरमाला पहनायी।

Rishi Vishwamitra took Ram and Lakshman to Mithila where the Swayamwar ceremony for Sita was to take place. The condition for her hand was to string the great bow, Shiv Dhanush. After all the kings failed in their attempts, Raja Janak got worried. Rishi Vishwamitra asked Ram to do it. Ram strung Shiv Dhanush, breaking the great bow in the process. In a joyous atmosphere, Sita garlanded Ram.